Sahaj Adhyayan (सहज अध्ययन)

जर हे Practice Question Papers तुम्हाला खरंच फायदेशीर वाटत असतील तर तुमच्या सर्व मित्र मैत्रिणींना पाठवा.

त्यांना देखील ह्या सर्वांचा अभ्यासासाठी फायदा होऊ द्या.

For more study material connect with us on

Instagram: www.instagram.com/sahajadhyayan

YouTube (मराठी माध्यम): www.youtube.com/sahajadhyayan

YouTube (Semi/English):

www.youtube.com/SahajAdhyayanSemiEnglish

Telegram (for PDF): t.me/sahajadhyayan

Facebook: www.facebook.com/sahajadhyayan

WhatsApp (only Message, No calls): **855 289 2890**

For more study material register here
www.sahajadhyayan.in/register

जर तुमच्या जवळ कोणत्याही इयत्तेच्या, कोणत्याही परीक्षेच्या, कोणत्याही विषयाचे, Question Papers असतील

तर ते आम्हाला WhatsApp वर पाठवा,

इतर विद्यार्थी मित्रांना त्या सर्वांचा उपयोग होईल.

This Question paper shared by Ankita from Kolhapur District. Thanks Ankita.

Class: XI Arts /Com - A | 1st Term End Exam | Marks – [50]
Sub: Hindi | Jan.2022 | Time: 2.30 Hour

विभाग - १: गाद्य- अंक १४

कृति क्र.१.अ] निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। [६]

१] संजाल पूर्ण कीजिए। [२]

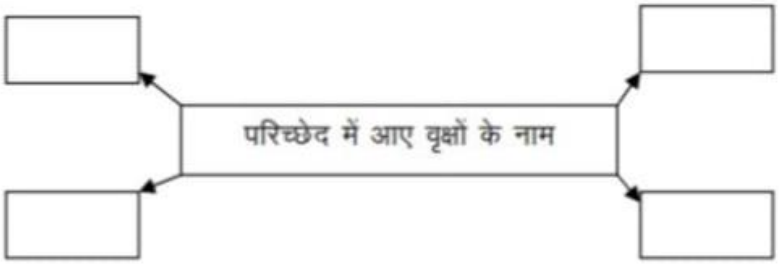

२) निम्नलिखित शब्दों के लिए समानार्थक शब्द लिखिए। [२]

१. आश्चर्य २. मित्र
३. जंगल ३. वनराज

उन दोनों आदमियों में से प्रमुख ने विस्मय से और भय से वह सिरस है, कहा "हम सब जहाँ हैं वहीं तो वन है ?"

बबूल ने काँटे खडे करके कहा, "बको मत, वह सेमर है, वह साल है, वह घास है, वह हमारे सिंहराज हैं, वह पानी है, वह धरती है। तुम जिनकी छाँह में हो, वह हमारे बड दादा है। तब तुम्हारा वन कहाँ है? दिखाते क्यों नहीं ? तुम हमको धोखा नहीं दे सकते ।"

प्रमुख पुरुष ने कहा, "यह सब कुछ ही वन है।"

इसपर गुस्से में भरे हुए कई जानवरों ने कहा, "बात से बचो नहीं, ठीक बताओ, नहीं तो तुम्हारी खैर नहीं है।"

अब आदमी क्या कहें, परिस्थिति देखकर वे बेचारे जान से निराश होने लगे। अपनी मानवी बोली (अब तक प्राकृतिक बोली में बोल रहे थे।) एक ने कहा, "यार ! कह क्यों नहीं देते कि वन नहीं है। देखते नहीं, किनसे पाला पडा है !" दूसरे ने कहा, "मुझसे तो कहा नही जाएगा।

"तो क्या मरोगे ?"

३) पर्यावरण और हम इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। [२]

आ] निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [६]

१) तालिका पूर्ण कीजिए। [२]

बबलू की जानकार -
पिता ----------
माता ----------
पढाई ----------
कार्य ----------

घर में बाबा बीमार थे। उनकी दवाई, राशन के लिए पैसे चाहिए थे। माँ चार घर में चौका-बर्तन करके जितना लाती वह सब बाबा की दवाई और घर में ही लग जाता। बबलू की पढाई बीच में ही छूट गई। माँ को सहारा देने के लिए बबलू ने घर-घर जाकर रद्दी इकट्ठा करना शुरु कर दिया पर पढाई के प्रति लालसा बनी हुई थी। उस दिन भी तराजू पर रद्दी तौतले हुए बबलू की नजर लगातार स्कूल की उन किताबों पर थी जिसे रद्दी में बेचा जा रहा था। वह चाह रहा था कि वे किताबें उसे मिल जाएँ।

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

"स्कूल नहीं जाता तू ? अजीब हैं तेरे माँ-बाप जो तुझसे काम कराते है।" घर की मालकिन ने तराजू के काँटे पर नजर जमाए कहा। तभी उनकी कॉलेज के लिए तैयार होती लडकी ने कहा - "माँ, बाल मजदूरी तो अपराध है न ?", "हॉ बिल्कुल, पर अनपढ माँ-बाप समझे तब न,"बबलू को बुरा लगा। उससे अपशब्द सहे नहीं गए।

"स्कूल बप्पा ने भेजा था मेमसाब पर उनके पास किताबों के लिए पैसे न थे इसलिए पढाई रुक गई।"

२) १. परिच्छेद में आए दो प्रश्नार्थक वाक्य है - [१]

I) ---------- II) ----------

२. परिच्छेद मे आए दो शब्द युग्म-वाले शब्द- [१]

I) ---------- II) ----------

३) 'बाल मजदूरी: कारण और उपाय' इस विषय पर ६ से ८ पंक्तियों में विचार लिखिए। [२]

इ) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए।(चार में से २) [२]

१) हिंदी में समग्र साहित्य पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कवि इतने है-
२) आकाल में सारस के रचनाकार है -
३) 'जिंदगीनामा' उपन्यास के उपन्यासकार का नाम लिखिए।
४) रागदरबारी के रचनाकार है -

विभाग - २: पद्य- अंक १४

कृति क्र.२.अ] निम्नलिखित पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। [६]

१) आकृति पूर्ण कीजिए। [२]

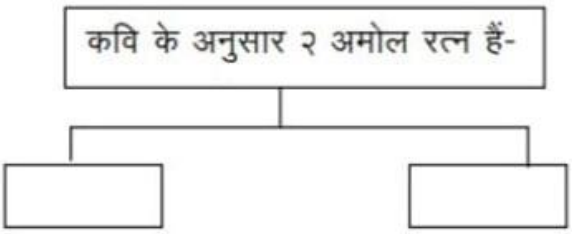

दादू पातह प्रेम की, बिरला बाँचे कोइ।
बेद पुरान पुस्तक पढै, प्रेम बिना क्या होइ।।

कागद काले मुए, केते बेद पुरान।
एकै आखर पीव का, दादू पढै सुजान।।

दादू मेरा बैरी में मुवा, मुझे न मारै कोई।
मैं ही मुझको मारता, मैं मरजीव होइ।।

जिनकी रख्या तूँ करै, ते उबरे करतार।
जे तैं छाडे हाथ थैं, ते डूबे संसार।।

काहै कौ दुख दीजिए, साई है सब माहिं।
दादू एकै आत्मा, दुजा कोई नाहिं।।

दादू इस संसार मैं, ये दोइ रतन अमोल।
इक साई इक संतजन, इनका मोल न तोल।।

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

This Question paper shared by Ankita from Kolhapur District. Thanks Ankita.

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

२) निम्नलिखित शब्दों के लिए काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त शब्द ढूंढकर लिखिए। [२]

i) पढना ii) सृष्टिकर्ता iii) पीव iv) मेरा

३) 'अहंकार मनुष्य का सबसे बडा शत्रु है' इस उक्ति पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए। [२]

आ) निम्नलिखित पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। [६]

१) निम्नलिखित पंक्तियों का उचित क्रम लगाइए। [२]

i) लहर तूम प्रवाहमान रहना
ii) किंतु आ रही नई जिंदगी
iii) यह विश्वास अमर है
iv) जनगंगा में ज्वार

ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है,
शत्रु हट गया लेकिन उसकी
छायाओं का डर है,
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है,
किंतु आ रही नई जिंदगी
यह विश्वास अमर है,
जनगंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवहमान रहना,
पहरुए, सावधान रहना!

२) पद्यांश के आधार पर ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हो। [२]

i) समाज ii)ज्वार

३) पद्यांश पढकर आशय लिखिए। [२]

इ) साहित्य संबंधी ज्ञान पर आधारित एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (३ में से २) [२]

१) त्रिपुरारि जी के काव्यसंग्रह है -
२) चंद्रधर शर्मा का विशेषनाम-
३) मलिक मुहम्मद का विशेष नाम है -

विभाग - ३: विशेष अध्ययन- अंक ६

कृति क्र.३ निम्नलिखित संवादों के आधारपर कृतियाँ पूर्ण कीजिए। [६]

पती : आज भी, एक भी मछली नहीं फँसी।

पत्नी : ऐसा कब तक चलेगा? घर में एक पैसा जो नहीं है। आज भी बच्चों को सिर्फ पानी पिलाकर सुलाना पडा।

पति : मै क्या करुँ? जब से नदी के किनारे वह प्लांट लगा है, वे प्लांट सारा जहरीला कैमिकल पानी में बहा देते है, जिसकी वजह से सारी मछलियाँ मर गई।

पत्नी : तो आप नदी के दूसरे पार क्यों नहीं चले जाते?

पति : वहाँ भी यही हाल है। वहाँ भी उद्योगों की वजह से मछलियाँ खत्म हो गई हैं और अगर किसी ने पकड लिया तो अलग मुसीबत। (अपने भाई से) भाई साहब, हम दोनों आपके गाँव चलते हैं। हम जंगल में काम कर लेंगे। कम-से-कम बच्चों को भूखा तो नहीं सुलाना पडेगा।

भाई : कौन से जंगल? कैसे जंगल? हमने विकास के नाम पर सारे जंगल काट दिए, अब वहाँ कुछ नहीं बचा। जिन पेंडों के सहारे हम रहते थे; वे पेड ही नही रहे, जानवरों पर हम खाने, कपडे और दूध के लिए निर्भर थे, वे जानवर नहीं रहे। हमारे खेत जला दिए, नदियाँ गंदी कर दीं। अब वहाँ कुछ नहीं बचा छोटे! सिर्फ धुआँ है धुआँ, फैक्ट्रियों के कारखानों से निकलता हुआ धुआँ जिसने पूरे परिसर को प्रदूषित कर रखा है।

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

१) उत्तर लिखिए। [२]

i) मछुआरों के जाल में मछली नहीं फँसी

ii) मानव को लाभ देने वाले परिच्छेद मे आए दो जीव-

१) ----------

२) ----------

२) पर्यायवाची शब्द गद्यांश से ढुँढकर लिखिए। [२]

१) जल २) वृक्ष ३) मीन ४) क्षीर

३) 'जल प्रदूषण' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। [२]

विभाग - ४: व्यावहारिक हिंदी/पारिभाषिक शब्दावली - अंक ८

कृति क्र.४.अ] निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (२ में से १) [४]

१) मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी भाषा के माध्यम से की संभावनाएँ लिखिए।

२) 'अतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी रोजगार की भाषा बनती जा रही है' इस पर अपने विचार लिखिए।

आ] निम्नलिखित में से किन्ही चार पारिभाषिक शब्दों के हिंदी शब्द लिखिए। [४]

१) Domicile Certificate २) Orbit

३) Administration ४) Tissue

५) Bench ६) Out Put

७) Cashier ८) Judicial Power

विभाग - ५: व्याकरण - अंक ८

कृति क्र.५.अ] निम्नलिखित पंक्तियों में से किन्ही दो पंक्तियों से उद्धृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए।[२]

१) मैं ऐसा शुर वीर हूँ, पापड तोड सकता हुँ।
अगर गुस्सा आ जाए तो कागज मरोड सकता हूँ।।

२) उधर गरजती सिंधु लहरिया, कुटिल काल के जालों-सी चल आ रही है, फेन उगलती, फन फैलाए व्यालों-सी।।

३) दूर फिरंगी को करने की सबने मन मे ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन मे वह तलवार पूरानी थी।

आ) निम्नलिखित मुहावरां में से किन्ही दो के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। [२]

१) आँच न आने देना २) कमर कसना

३) नाम कमाना ४) दुध का दुध, पानी का पानी करना

इ) निम्नलिखित वाक्यों में से कन्ही दो वाक्यों का कालपरिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। [२]

१) दुकानदार ने रद्दी तौलकर किनारे रखी। **(अपूर्ण वर्तमानकाल)**

२) उषा की आँखो में हजारों दीए जल उठे। **(सामान्य वर्तमानकाल)**

३) वे मुझे योग के फायदे समझाते है। **(पूर्ण भूतकाल)**

ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों को शुद्ध करके फिरसे लिखिए। [२]

१) एक लंम्बी कतार ने मेरा ध्यान, आकर्षित कर लिया।

२) बबन के आँखो में खुशी के आँसू दलक आएँ।

३) गुस्से से कही ग्यान हासिल होता है।

0=0=0=0=0=0=0=0

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi